तारों की परी – कल्पना चावला

कल्पना चावला अंतरिक्ष में जाने वाली **पहली भारतीय महिला** थीं।

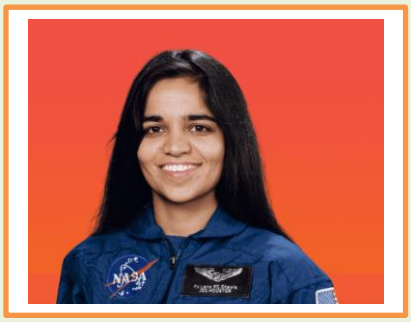

उन्होंने अपनी पहली उड़ान में **6.5 करोड़ किलोमीटर** की यात्रा की

बहुत समय पहले, **17 मार्च 1962** को हरियाणा के करनाल में एक प्यारी-सी बच्ची पैदा हुई।
उसका नाम था – **कल्पना चावला**।

कल्पना को बचपन से ही आसमान में उड़ते जहाज और चमकते तारे बहुत अच्छे लगते थे।
वह कहती – *"एक दिन मैं भी तारों में उड़ूँगी।"*

सब कहते – "लड़कियाँ अंतरिक्ष यात्री नहीं बन सकतीं।"
लेकिन कल्पना ने हार नहीं मानी।

उन्होंने खूब पढ़ाई की, इंजीनियर बनीं और अमेरिका जाकर नासा (NASA) में शामिल हो गईं।

सन् **1997** में कल्पना पहली बार अंतरिक्ष में गईं और भारत का नाम पूरे संसार में चमका दिया।
बच्चों, सोचो – एक लड़की करनाल से निकलकर सच में **तारों की परी** बन गई!

दुर्भाग्य से, **1 फरवरी 2003** को जब वे दूसरी बार अंतरिक्ष से लौट रही थीं,
तो उनका अंतरिक्ष यान *कोलंबिया* दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वे हमेशा के लिए तारों के बीच खो गईं

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - [redacted] *Every contribution counts. Thank you!"*

- *To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332*